इस दिवाली में किसी के जीवन में रौशनाई लाईयें।

इंटिग्रेटेड चाईल्ड डेव्हलपमेंट सर्विसेस स्कीम (आईसीडीसी) को होनेवाला अपना समर्थन अधिक मजबूत करने के लिए लाईफ ट्रस्ट की ओर से एक खास परियोजना की शुरूआत

मुंबई, अक्तूबर 10, 2009: इस दिवाली में, पंजीकृत जनहितार्थ ट्रस्ट लाईफ ट्रस्ट शहर के कई अल्पसुविधाप्राप्त छोटे बच्चों के चेहरे पर हंसी खिलानेवाला है। “लॅन्टर्न ऑफ लाईफ” इस विशेष निधी जमा करने की परियोजना के माध्यम से अल्पसुविधाप्राप्त बच्चों की अधिक अच्छी शिक्षा के लिए निधी संकलित करने की आशा इस ट्रस्ट को है। इसी के साथ समान विचारों के लोगों में इस बारे में जागृती निर्माण करने की कोशिश भी वे करेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुंबई की नगरपाल डॉ.इंदु शाहानी, बॉलीवुड अभिनेता झायेद खान और लाईफ ट्रस्ट की प्रबंधन ट्रस्टी पूनम लालवानी ने आज हाई स्ट्रीट फिनिक्स में किया।

मुंबई और बेंगलोर के लाईफस्टाईल स्टोअर्स में लाईफ ट्रस्ट द्वारा खास बनाए गए कंदील उपलब्ध किए जाएंगे। हाई स्ट्रीट फिनिक्स में विशेष निर्माण किए गए किऑस्क में भी ये कंदील उपलब्ध होंगे। इस में से जमा किया निधी केवल भारत सरकार के इंटिग्रेटेड चाईल्ड डेव्हलपमेंट सर्विसेस स्कीम (आई सीडीएस्) को समर्थन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इन कंदील के दाम रू.100 होगी।

इस परियोजना के बारे में लाईफ ट्रस्ट की प्रबंधन ट्रस्टी श्रीमती पूनम लालवानी ने कहा, “बांद्रा और धारावी के 475 आंगणवाडीयों के साथ लाईफ ट्रस्ट काम कर रहा है। कई अभिनव शिक्षा तकनीकों की शुरूआत लाईफ ट्रस्ट ने की है। डीवीडी का इस्तेमाल करके प्रि प्राईमरी पब्लिक स्कूल शिक्षकों को इंग्लिश लर्निंग कुशलता प्रदान करने की तकनीक सबसे नई है। इस परियोजना के माध्यम से संकलित किया निधी इन परियोजनाओं के लिए इस्तेमाल किया जाएगा और आनेवाले साल में 9500 बच्चों को इसका फायदा होगा।”

तीन डिजाईन महाविद्यालयों के छात्रों में लाईफ ट्रस्ट ने कंदील डिजाईन प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस प्रतियोगिता को भारी प्रतिक्रिया मिली और भारी मात्रा में कंदील बनाए गए। विजेता 3 कंदील

ज्ञानेश्वर पोखरकर - एल्.एस्.रहेजा स्कूल ऑफ आर्ट, वरली, आयुश्री खडतरे - सोफिया पॉलीटेक्निक, ब्रीच कॅन्डी और विराज काले, एल्.एस्.रहेजा स्कूल ऑफ आर्ट, वरली के थे और इस परियोजना के वे बोधचिन्ह होंगे। इस परियोजना की शुरूआत करने के लिए लाईफ ट्रस्ट को बिल्कुल सही समय इन त्योहारों के दिनों ने दिया और मुंबई के नागरिक कई छात्रों के जीवन में सच में रोशनाई कर सकेंगे। आखिर दिपावली रोशनाई का उत्सव है।

“लाईफ ट्रस्ट में हमारा ये विश्वास है कि भारत में शिक्षा की समस्या के बारे में जागरूकता निर्माण करने के लिए हमें हमारे समाज के साथ काम करना चाहिये। ‘लॅन्टर्न फॉर लाईफ’ परियोजना के माध्यम से हम मुंबई के नागरिकों को हमारी इन कोशिशों में हमारा साथ देने की बिनती करते हैं। इसी के साथ भारत के हर बच्चे को उसकी शिक्षा का हक हम हासिल करके देंगे।” ऐसा भी श्रीमती लालवानी ने आगे कहा।

इस समय, हाई स्ट्रीट फिनिक्स के विपणन विभाग के प्रमुख श्री.ॲलेक्स कुटिन्हो ने कहा, “पब्लिक स्कूल और झोपडपट्टीयों में साक्षरता फैलाने के कार्य में लाईफ ट्रस्ट वचनबद्ध है। हाई स्ट्रीट फिनिक्स के हम लाईफ ट्रस्ट के साथ साझेदारी करके उनकी क्षमता उभारने के लिए बहुतही खुश है। त्योहारों के दिनों में हमारें खरीदारों के लिए ये एक और मौका होगा। बिल्कुल खास तरीके से इतने अच्छे कार्य के लिए वे मदद कर सकेंगे।”

लाईफ ट्रस्ट को पूरा विश्वास है कि मुंबई के नागरिक बडी संख्या आगे आकर इस परियोजना को सहकार्य करेंगे और दिपावली का उत्सव अलग तरीके से मनाएंगे।

लाईफ ट्रस्ट के बारे में जानकारी

वर्ष 2000 में चेन्नई में, लॅन्डमार्क इंटरनॅशनल फाऊंडेशन फॉर एम्पॉवरमेंट (लाईफ) की शुरूआत एक पंजीकृत पब्किल चॅरिटेबल ट्रस्ट के रूप में की गई। *‘स्कूल चलो’* को भारत के हर बच्चे का मंत्र बनाने की दृष्टीकोण के साथ, लाईफ भारत के सरकारी पाठशाला शिक्षा प्रणाली की उन्नति के लिए कई गतिविधियों का आयोजन करते है। सिखने में कठिनाईयाँ होनेवाले तथा मानसिक रूप से चुनौति होनेवाले छात्रों के लिए नईनई परियोजनाओं की शुरूआत लाईफ ने की है। मुंबई, चेन्नई और बेंगलोर में लाईफ का उपस्थिती है और आनेवाले सालों में अपनी उपस्थिती भारतभर में प्रस्थापित करन की योजना है।

अन्य एन्जसीयाँ तथा समान विचारधारा के लोगों के साथ, कलात्मक और प्रभावी कार्यक्रमों के माध्यम से, सभी हिस्सेदार और समाज को शामिल करके पब्लिक स्कूल सिस्टम के साथ काम करना तथा उन्हें समर्थन देना ये लाईफ का मिशन है। केवल 5 सालों के लाईफ ट्रस्ट का फायदा 1 लाख से भी अधिक लोगों को हुआ है।

अधिक जानकारी के लिए भेट दे www.lifetrustindia.org

अन्य एन्जसीज् तसेच समान विचारधारा असलेल्य लोकांसह, कलात्मक और प्रभावी कार्यक्रमांच्या माध्यमातून, सर्वच हिस्सेदार और समाजाला सामिल करून पब्लिक स्कूल सिस्टमसोबत काम करणे तसेच त्यांना समर्थन देणे हे लाईफचे मिशन आहे. केवळ 5 वर्षांच्या कालावधी में लाईफ ट्रस्टचा फायदा 1 लाखहून अधिक लोकांना झालेला आहे.

आईसीडीएस् (इंटिग्रेटेड चाईल्ड डेव्हलपमेंट सर्विसेस स्कीम) के बारे में जानकारी:

ग्रामीण, आदिवासी और झोपडपट्टीयों में रहनेवाले छोटे बच्चों के सही विकास के लिए एकीकृत रूप से प्रि-स्कूल बच्चों को सेवा देने का इंटिग्रेटेड चाईल्ड डेव्हलपमेंट सर्विसेस प्रोग्राम का उद्दिष्टय है। आईसीडीएस् को केंद्र का समर्थन है।

लाईफ ट्रस्ट - इंटिग्रेटेड चाईल्ड डेव्हलपमेंट स्कीम / आंगणवाडी:
9500 छोटे बच्चे और 950 शिक्षक होनेवाले बांद्रा और धारावी झोपडपट्टीयों के 475 आंगणवाडीयों पर लाईफ ट्रस्ट का ध्यान है। ये ट्रस्ट कई शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इस में अर्ली चाईल्डहूड केअर, क्लासरूम प्रवंधन, प्रतिबंधात्मक आरोग्य सेवा, पोषण, छोटे बच्चों के हक और महिलाओं के हक इनका समावेश है। 2008-2009 में इनके टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम्स (टीटीपी) 3668 शिक्षकों तक पहुँचा। बांद्रा और धारावी के झोपडपट्टीयों के 9500 छोटे बच्चों को इस कार्यक्रम का फायदा हुआ।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें।

जय देसाई / हेमल शाह

फोरसाईट कम्युनिकेशन्स

jay@foresightindia.in / hemal@foresightindia.in

+91 9820060107 / 9819597604